

प्रेषक,

महिमा,  
अनु सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता स्तर-1,  
लोक निर्माण विभाग,  
देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 16 मई, 2011

विषय:- राजभवन नैनीताल के के मुख्य भवन के चारों ओर सुरक्षा हेतु वेल्डेड मैस फैनसिंग के कार्य की प्रशासकीय एवं वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में अपर सचिव श्री राज्यपाल के पत्र सं०:- 3910/जी0एस0/विविध/ए-683(ए)/2010-11 दिनांक 02 फरवरी, 2011 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राजभवन नैनीताल के के मुख्य भवन के चारों ओर सुरक्षा हेतु वेल्डेड मैस फैनसिंग के कार्य हेतु उपलब्ध कराये गये विस्तृत आगणन, लागत ₹ 38.36 लाख है, पर टी0ए0सी0 वित्त द्वारा औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि ₹ 37.28 लाख (₹ सैंतीस लाख अठ्ठाईस हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में व्यय हेतु ₹ 1.00 लाख (₹ एक लाख मात्र) की अनुमति प्रदान किये जाने की महामहिम श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:

- 2- विस्तृत आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के सापेक्ष जो दरें शैड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति पर नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 3- कार्य कराने से पूर्व नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 4- प्रत्येक स्वीकृत योजना हेतु ठेकेदार के साथ गठित किये जाने वाले अनुबन्ध में, निर्माण से सम्बन्धित माईलस्टोन एवं समय-सारणी स्पष्ट रूप से उल्लिखित की जायेगी तथा अनुबन्ध के अनुरूप ठेकेदार द्वारा कार्य पूरा न किये जाने की दशा में नियमानुसार आवश्यक क्षतिपूर्ति अध्यारोपित करते हुए वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
- 5- ठेकेदार द्वारा समय से कार्य पूरा न करने की दशा में debitable आधार पर अन्य एजेन्सी का अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अन्तर्गत नियमानुसार चयन कर निर्माण कार्य पूरा किया जायेगा। स्वीकृत निर्माण कार्य को किसी भी दशा में, शासन की पूर्वानुमति के बिना, अपूर्ण अवस्था में समाप्त नहीं किया जायेगा।
- 6- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना की स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 7- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें। बजट मैनुअल के समस्त नियमों का भी अनुपालन किया जायेगा।
- 9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

*Maha*

*Maha*

- 10- स्वीकृत किया जाने वाला कार्य उत्तराखण्ड प्रोक्योरमेन्ट रूल्स-2008 एवं उक्त के विषय में समय-समय पर निर्गत समस्त दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
- 11- कार्य कराने से पूर्व विभाग द्वारा कार्यदायी संस्था के साथ एम0ओ0यू0 गठित कर लिया जाय, जिसमें defect liability clause का प्राविधान भी सुनिश्चित कर लिया जाय।
- 12- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अर्न्तगत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो उनमें व्यय करने से पूर्व आगणन पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय।
- 13- स्वीकृत किये जा रहे कार्य की गुणवत्ता एवं सामयिकता का सम्पूर्ण जवाबदारी संबंधित अधिकारी अभियन्ता का होगा।
- 14- इस संबंध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक में लोक निर्माण विभाग के अनुदान सं0-22 --लेखाधीन-4059 लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-80 सामान्य-800 अन्य भवन- 09 लोक निर्माण- नये कार्य-24 वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 15- यह आदेश वित्त अनुभाग-2 के अशासकीय संख्या- 80/XXVII(2)/ 2011 दिनांक: 16 मई, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक:- यथोपरि।

भवदीय,

( महिमा )  
अनु सचिव

संख्या:- 2472 (1)/ 111(2)/ 11-03(प्रा0आ0)/ 2010 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित :-

- 1- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 2- सचिव श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
- 3- महालेखाकार (लेखा प्रथम), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
- 4- जिलाधिकारी/ कोषाधिकारी जनपद नैनीताल।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, जनपद देहरादून।
- 6- मुख्य अभियन्ता, कुमायूँ क्षेत्र, लो.नि.वि. अल्मोड़ा।
- 7- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 8- वित्त आयोग/ वित्त अनुभाग-2/ वित्त नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
- 9- अधीक्षण अभियन्ता, द्वितीय वृत्त लो0नि0वि0 नैनीताल।
- 10- लोक निर्माण अनुभाग-1/3 उत्तराखण्ड शासन ।
- 11- गार्ड बुक।

आज्ञा से,

( महिमा )

( महिमा )  
अनु सचिव